

संक्षेप
आंवरा जानवरों को संरक्षित करने के लिए शुरू हुआ विशेष अभियान

अयोध्या। प्रदेश सरकार द्वारा छुट्टी जानवरों के संरक्षण के लिए चलाए गए विशेष अभियान के अंतर्गत जनपद में जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह के निर्देश में आज अधियान के पहले दिन जनपद में नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्र से कुल 105 गोवंशों को संरक्षित किया गया। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक नगरीय पंचायत स्तर पर एक दल का गठन किया गया है उक्त दल में ग्राम पंचायत सचिव, पंचायत मित्र, पशुधन प्रसार अधिकारी, सर्वनिधि ग्राम के सफाई कर्मी को समिलित किया गया है इसी प्रकार नगरीय क्षेत्र में भी नगर आयुक्त द्वारा मौथीतौर पर गठन किया गया है ग्रामीण क्षेत्रों में यह दल संविधान पशु पंचायत को सम्मिलित किया गया है उक्त क्षेत्रों में अधिकारी/खड़विकास अधिकारी के नेतृत्व में कार्य करेगी। उन्होंने आगे बताया कि इस अभियान में जन जागरण से किसी क्षेत्र विशेष में निराश्रित गोवंश की सूचना प्राप्त होने पर टीम द्वारा गोवंश को तत्काल संरक्षित कराया जाएगा।

बैतिया स्टेट ने जमीनों का कराया निरीक्षण

जिला संवाददाता(vol)

कुशीनगर। बैतिया स्टेट ने अपने जमीनों का सर्वों शुरू कर दिया है। इसी क्रम में रिवार को हाटा तहसील के नगर पंचायत मौथीतौर पर अधिकारी द्वारा मौजूदगी में तहसील मनिस्ट्रेट की मौजूदगी में अपने भीम स्थानीय निरीक्षण कर जानकारी लिया। अधिकारियों के निरीक्षण से अवैध कब्जाधारियों में

● बैतिया स्टेट की जमीनों का अवैध प्रप्त से कब्जा करने वालों में हड़कंप



हड़कंप मचा हुआ है। बैतिया स्टेट की विवाह सरकार के निर्देश पर उप सचिव राजस्व संजीव रिवार को मौथीतौर पर गठन किया गया है उक्त दल में ग्राम पंचायत सचिव, पंचायत मित्र, पशुधन प्रसार अधिकारी, सर्वनिधि ग्राम के सफाई कर्मी को समिलित किया गया है इसी प्रकार नगरीय क्षेत्र में भी नगर आयुक्त द्वारा मौथीतौर पर गठन किया गया है ग्रामीण क्षेत्रों में यह दल संविधान पशु पंचायत को सम्मिलित किया गया है उक्त क्षेत्रों में अधिकारी/खड़विकास अधिकारी के नेतृत्व में कार्य करेगी। उन्होंने आगे बताया कि इस अभियान में जन जागरण से किसी क्षेत्र विशेष में निराश्रित गोवंश की सूचना प्राप्त होने पर टीम द्वारा गोवंश को तत्काल संरक्षित कराया जाएगा।

जाए। बैतिया सरकार के निर्देश पर निरीक्षण हो रहा है। बैतिया स्टेट की जमीन पर मंदिर, मठ सहित अन्य सार्वजनिक स्थल के रूप में प्रयोग हो रहा है। इसी प्रकार कपानांग तहसील क्षेत्र के गभीरपुर में 2,9270 एकड़, साखोपर में 1,8250, मोहनमुड़ेरा में 3,4390, डोमबरवा में 0,1130 व

डाकघर में आयोजित हुई खेल प्रतियोगिता

अयोध्या। मण्डल डाकघर कार्यक्रम में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर पोस्टमैन, पम्टी एवं एस बनाम डाक सहायक महिला पुरुष बैडमिंटन, रस्साकशी प्रतियोगिताएं आयोजित हुई। बैडमिंटन प्रतियोगिता में महिला व पुरुष वर्ग में डाक सहायक कंसंग ने बाजी मारी तो वहाँ रहस्यमान महिला पोस्टमैन संवर्ग तथा पुरुष वर्ग में डाक सहायक संवर्ग ने परचम लहराया, रस्साकशी प्रतियोगिता को देखने के लिए डाकघर परिसर व बाउंड्री बाहर हजारों संख्या में दर्शकों की भारी भीड़ लगी हुई थी। बैडमिंटन खिलाड़ी में राजशरवर दूबे, ज्योतिरिदित्य सिंह, प्रकाश चैधरी, वासंदेव यादव पुरुष तहसील एवं वर्षा के लिए खेल प्रतियोगिता और इसी के साथ सदस्यता ग्रहण कराए और उक्त क्षेत्र की जमीनों का सदस्यता ग्रहण कराए। उन्होंने बताया कि इस अधियान के शुरू होने पर हर कार्यकर्ता अपने अनेक बूथों पर इसी दिन कम से कम 25 लोगों को सदस्यता ग्रहण कराएंगे तथा जितना हो सके अधिक इसके कास्टलों लोगों को सदस्यता ग्रहण कराएंगे। बैठक को सम्मोहन में दोषात्मक लोगों में नील सोनी एवं डाक सहायक में चन्द्रश वर्ग को पुरस्कार किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रवर अधीक्षक डाकघर हरे कृष्ण यादव ने पुरस्कार देते हुए कहा कि खल प्रतियोगिता और सकारात्मक ऊर्जा मिलती है जिससे शरीर स्वस्थ रहता है।

ने कहा कि 4 सितंबर को प्रतियोगिता के प्रथम वर्किंग जिला पंचायत अध्यक्ष को, सासद को, तथा सभी पार्टी प्रदायकर्ताओं को मेरे द्वारा सरकारी प्रशंसन के लिए नामित किया गया है। इसके साथ ही अधियान एवं अनेक लोगों को सदस्यता ग्रहण कराएगी। उक्त कार्यक्रम के लिए अधिकारी और अधिकारी द्वारा जारी किया गया है। इस अधियान में भी देवरिया जनपद प्रदेश में अग्रणी रहे। इस अवसर पर वर्षा के लिए अप्राप्ति लोगों को सदस्यता ग्रहण कराएंगे ताकि हर अधियान की तरह सदस्यता अधियान में भी देवरिया जनपद विवाह संस्कार के लिए अप्राप्ति लोगों को सदस्यता ग्रहण कराएंगे। बैठक को सम्मोहन के साथ ग्रहण कराएंगे।



देवरिया। भारतीय जनता पार्टी ने सदस्यता अधियान को सफल बनाने के लिए विवाह को और चौरी स्थिति पार्टी कार्यालय पर पार्टी प्रदायकर्ताओं के साथ बैठक की। बैठक को सम्बोधित करते हुए जिला प्रभारी संतराज यादव ने बताया कि पार्टी ने सभी कार्यकर्ताओं को सदस्यता को शून्य करते हुए पुर्ण सदस्यता अधियान बनाने जा रही है।

कल 2 सितंबर को राष्ट्रीय अध्यक्ष जी पी नड्डा जी प्रधानमंत्री ने दर्शकों की भारी भीड़ लगी हुई थी। बैडमिंटन

खिलाड़ी में राजशरवर दूबे, ज्योतिरिदित्य सिंह, प्रकाश चैधरी, वासंदेव यादव पुरुष तहसील एवं वर्षा के लिए खेल प्रतियोगिता और इसी के साथ सदस्यता ग्रहण कराएंगे। बैठक को सम्मोहन के साथ ग्रहण कराएंगे।

बैठक को सम्मोहन के साथ ग्रहण कराएंगे। जिला पंचायत अध्यक्ष को लिए अप्राप्ति लोगों को सदस्यता ग्रहण कराएंगे।

बैठक को सम्मोहन के साथ ग्रहण कराएंगे। जिला पंचायत अध्यक्ष को लिए अप्राप्ति लोगों को सदस्यता ग्रहण कराएंगे।

बैठक को सम्मोहन के साथ ग्रहण कराएंगे। जिला पंचायत अध्यक्ष को लिए अप्राप्ति लोगों को सदस्यता ग्रहण कराएंगे।

बैठक को सम्मोहन के साथ ग्रहण कराएंगे। जिला पंचायत अध्यक्ष को लिए अप्राप्ति लोगों को सदस्यता ग्रहण कराएंगे।

बैठक को सम्मोहन के साथ ग्रहण कराएंगे। जिला पंचायत अध्यक्ष को लिए अप्राप्ति लोगों को सदस्यता ग्रहण कराएंगे।

बैठक को सम्मोहन के साथ ग्रहण कराएंगे। जिला पंचायत अध्यक्ष को लिए अप्राप्ति लोगों को सदस्यता ग्रहण कराएंगे।

बैठक को सम्मोहन के साथ ग्रहण कराएंगे। जिला पंचायत अध्यक्ष को लिए अप्राप्ति लोगों को सदस्यता ग्रहण कराएंगे।

बैठक को सम्मोहन के साथ ग्रहण कराएंगे। जिला पंचायत अध्यक्ष को लिए अप्राप्ति लोगों को सदस्यता ग्रहण कराएंगे।

बैठक को सम्मोहन के साथ ग्रहण कराएंगे। जिला पंचायत अध्यक्ष को लिए अप्राप्ति लोगों को सदस्यता ग्रहण कराएंगे।

बैठक को सम्मोहन के साथ ग्रहण कराएंगे। जिला पंचायत अध्यक्ष को लिए अप्राप्ति लोगों को सदस्यता ग्रहण कराएंगे।

बैठक को सम्मोहन के साथ ग्रहण कराएंगे। जिला पंचायत अध्यक्ष को लिए अप्राप्ति लोगों को सदस्यता ग्रहण कराएंगे।

बैठक को सम्मोहन के साथ ग्रहण कराएंगे। जिला पंचायत अध्यक्ष को लिए अप्राप्ति लोगों को सदस्यता ग्रहण कराएंगे।

बैठक को सम्मोहन के साथ ग्रहण कराएंगे। जिला पंचायत अध्यक्ष को लिए अप्राप्ति लोगों को सदस्यता ग्रहण कराएंगे।

बैठक को सम्मोहन के साथ ग्रहण कराएंगे। जिला पंचायत अध्यक्ष को लिए अप्राप्ति लोगों को सदस्यता ग्रहण कराएंगे।

बैठक को सम्मोहन के साथ ग्रहण कराएंगे। जिला पंचायत अध्यक्ष को लिए अप्राप्ति लोगों को सदस्यता ग्रहण कराएंगे।

बैठक को सम्मोहन के साथ ग्रहण कराएंगे। जिला पंचायत अध्यक्ष को लिए अप्राप्ति लोगों को सदस्यता ग्रहण कराएंगे।

बैठक को सम्मोहन के साथ ग्रहण कराएंगे। जिला पंचायत अध्यक्ष को लिए अप्राप्ति लोगों को सदस्यता ग्रहण कराएंगे।

बैठक को सम्मोहन के साथ ग्रहण कराएंगे। जिला पंचायत अध्यक्ष को लिए अप्राप्ति लोगों को सदस्यता ग्रहण कराएंगे।

बैठक को सम्मोहन के साथ ग्रहण कराएंगे। जिला पंचायत अध्यक्ष को लिए अप्राप्ति लोगों को सदस्यता ग्रहण कराएंगे।

बैठक को सम्मोहन के साथ ग्रहण कराएंगे। जिला पंचायत अध्यक्ष को लिए अप्राप्ति लोगों को सदस्यता ग्रहण कराएंगे।

बैठक को सम्मोहन के साथ ग्रहण कराएंगे। जिला पंचायत अध्यक्ष को लिए अप्राप्ति लोगों को सदस्यता ग्रहण कराएंगे।

बैठक को सम्मोहन के साथ ग्रहण कराएंगे। जिला पंचायत अध्यक्ष को लिए अप्राप्ति लोगों को सदस्यता ग्रहण कराएंगे।

बैठक को सम्मोहन के साथ ग्रहण कराएंगे। जिला पंचायत अध्यक्ष को लिए अप्र

राष्ट्रपति की चिंता बा

तसिफ़ बंगाल की नहीं है, समस्या राष्ट्रव्यापी है और इसका समाधान भी तभी हो सकता है जब देश संकल्प के साथ बेटियों, महिलाओं की सुरक्षा में खड़ा हो जाए।

ग्राउंटपॉटी मुरू में अगर परम्पराओं व राजनीतिक मर्यादाओं से अग्रे बढ़ते हुए महिलाओं, बेटियों की पीड़ा को आवाज दी है, तो इसे नेताओं के द्वारा हल्के में लेने या पिंफर दलगत राजनीति के चश्मे से देखने के बजाय महिलाओं के खिलाफ हो रहे अपराधों के आंकड़े और उनकी भयावहता को देखना चाहिए।

अगर नेताओं और पार्टीयों में जरा भी मानवता होगी, तो सियासी शोर करने के बजाय महिलाओं की पीड़ा और शौतानी पंजों में फंसी बेटियों की चील्कार सुनाई देगी। राष्ट्रपति द्वारा मुरू ने बेटियों और महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर एक मार्गिक और अभूतपूर्व प्रतिक्रिया दी है। अभूतपूर्व इसलिए है, क्योंकि देश के महामहिम अमातृर पर कोई सार्वजनिक बयान नहीं देते। राष्ट्रपति के द्वारा कैविनेट की सलाह पर ही काम करते हैं। लेकिन महिला अपराधों पर राष्ट्रपति ने अपनी पीड़ा और चिंता को व्यक्त किया है। राष्ट्रपति ने अपनी

मनःस्थिति बत्या करते हुए अपनी निराशा, हताशा और भय का इजहार भी किया है। कल्यान की जा सकती है कि महिलाओं के

खिलाफ बर्बर, पाश्विक अपराधों ने राष्ट्रपति को कितना झक्झोर दिया होगा कि उन्हें कहना पड़ा-बस, अब बहुत हो गया। एक राष्ट्र के तौर पर शर्मनाक और कल्पनिक स्थिति है कि

राष्ट्रपति को लिखना पड़ा- नरसीरे के जीवितों के साथ भी दर्दिगी की जा रही है। आज देश गुरुसे में है और मैं भी। अब एक समाज के रूप में हम अपने आप से कुछ कठिन सवाल पूछें।

राष्ट्रपति मुरू से सवाल किया है कि 2012 में निर्भया कांड के बाद

पूरा देश अदावित हो उठा था, लेकिन पिंफर लोगों ने यैन अपराधों को भूता दिया। क्या हमने यहीं सबक सीखा था? क्या सामृद्धक स्थानों पर के शिकार हो गये हैं हम? यह दुखद है और धूनीना भी है। राष्ट्रपति ने तीन पन्थों के अपने पत्र में उल्लेख किया है कि रक्षा बंधन मनाने कुछ बच्चे राष्ट्रपति भवन आप थे। उन्होंने निर्भया कांड जैसी घटनाओं के मदेनजर युज़से सवाल पूछे। मैंने उन्हें मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग के बारे में बताया। हालांकि मैं जानती थी कि यह सुरक्षा की गारंटी नहीं है, अब उन बच्चों के सवालों के जवाब समाज ही दे सकता है। किसी भी साथ समाज में बेटियों, महिलाओं के खिलाफ ऐसे जघन्य अपराध स्वीकृत नहीं हैं, हमें इमानदार, निष्ठा आत्म-निरीक्षण की जरूरत है। अब हम न

केवल इतिहास का समाना करें, बल्कि अपनी आत्मा के भी द्वारा और इन अपराधों के कारणों की जांच करें। कोलकाता में एक तपक प्रदर्शन हो रहे थे, दूसरी तरफ अपराधी भी खूप रह रहे थे। दरअसल महिलाओं को कमतर अंकना भी धृणित मानसिकता है।

निष्ठय ही कोलकाता कांड ने राष्ट्रपति मुरू के मानस को झक्झोरा होगा, लेकिन उन्होंने देश भर में बढ़ते बलाक्करों और हत्याओं के प्रति अपनी चिंता और सरोकार जाताया है। बंगाल की मुख्यमंत्री

ममता बनर्जी और विष्वक के अन्य राजनीतिक दलों को इस पत्र से चिढ़ना नहीं चाहिए या फिर सियासी पत्र नहीं अंकना चाहिए। भारत अब एक परिपक्व गणतंत्र है। इसलिए राष्ट्रपति ने

पत्रिलिख कर देश के हालात पर निराशा और पीड़ा जताई है, तो जाहिर है कि पूरी उनिया की मीडिया और समाज शस्त्रियों के बीच इस पर विर्याप हो गए। लोग एक बारी सोचेंगे कि क्या भारत बलाक्करों को आंकड़े हो जाते हैं? इससे भारत का अपमान होगा, देश की छवि पर कालिख चुपते रहे, क्योंकि राष्ट्रपति ने ही कोई जाता रहा।

यह दरअसल महिलाओं पर अपराध एवं अत्याचार की पराकाष्ठा

है। इस पर राजनीति नहीं राष्ट्रीय संकल्प की ज़रूरत है।

महिलाओं के गायब होने का भयावह आंकड़ा

यह दैरेन करने वाला ही नहीं बल्कि बहुत खोफाक भी है कि महाराष्ट्र जैसे देश के अग्रम पैकेट के औद्योगिक और साक्षर प्रदेश से दर्दनाक दिन बढ़ते हुए महिलाओं के हाथ से गायब हो रही हैं। नूत्रों से देश में अकेले महाराष्ट्र की समस्या नहीं है, केंद्रीय गुरु मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक साल 2019 से 2021 के बीच देश पर स 18 वर्ष से ज्यादा उम्र की 10,61,648 महिलाएं और 18 वर्ष से कम उम्र की 2,51,430 लड़कियां गायब हुईं। लेकिन इस साल तो पिछले 8 महीनों में महिलाओं के गायब होने के मामले में महाराष्ट्र ने योगदान दिया है।



देश पर इसकी विवरणों के बारे में जारी है कि महिलाओं के गायब होने के मामले में देश पर स 26000 से महिलाएं इन पक्षियों के लिये जाने वाले गायब हो चुकी हैं। और यह इसकी विवरणों के बारे में जाना वाले गायब होने के मामले में अकेले महाराष्ट्र के गायब होने के मामले में देश पर स 18 वर्ष से ज्यादा उम्र की 20,000 से ज्यादा उम्र की 30,000 लड़कियां गायब हुईं। लेकिन इस साल जानवरों के गायब होने के मामले में देश पर स 2047 तक जब तक हिंदुत्वान दुनिया के विकसित देशों के कालाकारों के गायब होने के मामले में देश पर स 20,000 से ज्यादा उम्र की 30,000 लड़कियां गायब हुईं।

ज्यादा महिलाएं गायब हो जाती हैं तो यह अकेले घर की कलाह, प्रेम प्रकरण जैसा मामला नहीं है, इसके पीछे निश्चित रूप से कोई बड़ा रैकेट काम कर रहा है। निश्चित रूप से देश के ज्यादातर हिस्सों से ही है। महिलाएं गायब हो चुकी हैं। लेकिन जब तक आजायी के बारे में जानवरों के गायब होने के मामले में देश पर स 2047 तक जब तक हिंदुत्वान दुनिया के विकसित देशों के कालाकारों के गायब होने के मामले में देश पर स 20,000 से ज्यादा उम्र की 30,000 लड़कियां गायब हुईं।

ज्यादा महिलाएं गायब हो जाती हैं और महाराष्ट्र के गायब होने के मामले में देश पर स 20,000 से ज्यादा उम्र की 30,000 लड़कियां गायब हुईं। लेकिन जब तक आजायी के बारे में जानवरों के गायब होने के मामले में देश पर स 20,000 से ज्यादा उम्र की 30,000 लड़कियां गायब हुईं।

ज्यादा महिलाएं गायब हो जाती हैं और महाराष्ट्र के गायब होने के मामले में देश पर स 20,000 से ज्यादा उम्र की 30,000 लड़कियां गायब हुईं। लेकिन जब तक आजायी के बारे में जानवरों के गायब होने के मामले में देश पर स 20,000 से ज्यादा उम्र की 30,000 लड़कियां गायब हुईं।

ज्यादा महिलाएं गायब हो जाती हैं और महाराष्ट्र के गायब होने के मामले में देश पर स 20,000 से ज्यादा उम्र की 30,000 लड़कियां गायब हुईं। लेकिन जब तक आजायी के बारे में जानवरों के गायब होने के मामले में देश पर स 20,000 से ज्यादा उम्र की 30,000 लड़कियां गायब हुईं।

ज्यादा महिलाएं गायब हो जाती हैं और महाराष्ट्र के गायब होने के मामले में देश पर स 20,000 से ज्यादा उम्र की 30,000 लड़कियां गायब हुईं। लेकिन जब तक आजायी के बारे में जानवरों के गायब होने के मामले में देश पर स 20,000 से ज्यादा उम्र की 30,000 लड़कियां गायब हुईं।

ज्यादा महिलाएं गायब हो जाती हैं और महाराष्ट्र के गायब होने के मामले में देश पर स 20,000 से ज्यादा उम्र की 30,000 लड़कियां गायब हुईं। लेकिन जब तक आजायी के बारे में जानवरों के गायब होने के मामले में देश पर स 20,000 से ज्यादा उम्र की 30,000 लड़कियां गायब हुईं।

ज्यादा महिलाएं गायब हो जाती हैं और महाराष्ट्र के गायब होने के मामले में देश पर स 20,000 से ज्यादा उम्र की 30,000 लड़कियां गायब हुईं। लेकिन जब तक आजायी के बारे में जानवरों के गायब होने के मामले में देश पर स 20,000 से ज्यादा उम्र की 30,000 लड़कियां गायब हुईं।

ज्यादा महिलाएं गायब हो जाती हैं और महाराष्ट्र के गायब होने के मामले में देश पर स 20,000 से ज्यादा उम्र की 30,000 लड़कियां गायब हुईं। लेकिन जब तक आजायी के बारे में जानवरों के गायब होने के मामले में देश पर स 20,000 से ज्यादा उम्र की 30,000 लड़कियां गायब हुईं।

ज्यादा महिलाएं गायब हो जाती हैं और महाराष्ट्र के गायब होने के मामले में देश पर स 20,000 से ज्यादा उम्र की 30,000 लड़कियां गायब हुईं। लेकिन जब तक आजायी के बारे में जानवरों के गायब होने के मामले में देश पर स 20,000 से ज्यादा उम्र की 30,000 लड़कियां गायब हुईं।

ज्यादा महिलाएं गायब हो जाती हैं और महाराष्ट्र के गायब होने के मामले में देश पर स 20,000 से ज्यादा उम्र की 30,000 लड़कियां गायब हुईं। लेकिन जब तक आजायी के बारे में जानवरों के गायब होने के मामले में देश पर स 20,000 से ज्यादा उम्र की 30,000 लड़कियां गायब हुईं।

ज्यादा महिलाएं गायब हो जाती हैं और महाराष्ट्र के गायब होने के मामले में देश पर स 20,000 से ज्यादा उम्र की 30,000 लड़कियां गायब हुईं। लेकिन जब तक आजायी के बारे में जानवरों के गायब होने के मामले में देश पर स 20,000 से ज्यादा उम्र की 30,000 लड़कियां गायब हुईं।

ज्यादा मह

